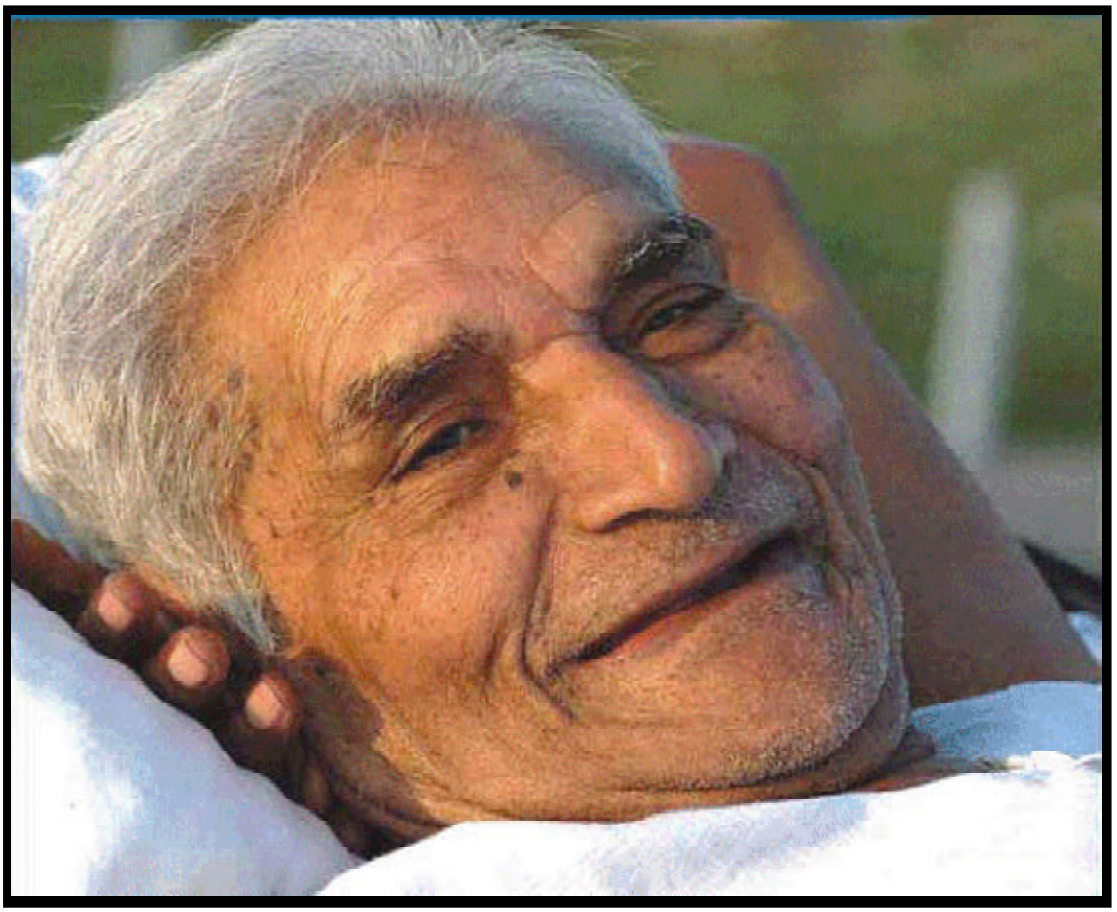

अमिट बाबा आमटे

(26 दिसम्बर 1914 - 9 फरवरी 2008)

बाबा आमटे यानी मुरलीधर देवीदास आमटे का देहावसान 9 फरवरी 2008 को हो गया। महाराष्ट्र के चंद्रपुर जिले में स्थित आनंदवन में उन्होंने अंतिम सांस ली। वे 94 वर्ष के थे और पिछले कुछ समय से रक्त कैंसर से पीड़ित थे। उन्हें पिछले कई वर्षों से रीढ़ की हड्डी में भी तकलीफ थी।

'बाबा' दो कार्यों के लिए हमेशा याद किए जाएंगे। 1946 में उन्होंने कुष्ठ रोगियों के लिए 11 केन्द्र स्थापित किए और आगे चलकर आनंदवन आश्रम की स्थापना की। आज पांच हज़ार लोग इस आश्रम पर निर्भर हैं।

1990 के दशक में 'बाबा' नर्मदा बचाओ आंदोलन से जुड़े। उन्होंने प्रिय आनंदवन छोड़कर नर्मदा किनारे बसने का फैसला किया। बाबा ने राजघाट (बड़वानी) के समीप कसरावद में अपनी कुटिया 'निजबल' बनाई और डूब पीड़ित परिवारों के आंदोलन में भागीदारी की।

'बाबा' के कार्यों को सारी दुनिया में विभिन्न सम्मानों से सराहा गया।

युवा शक्ति में विश्वास रखने वाले बाबा आमटे को स्रोत की विनम्र श्रद्धांजलि।